भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1030

दिनांक 05 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

निवारक स्वास्थ्य देखभाल परीक्षण

1030. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में निवारक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की योजना शुरू करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, मुख कैंसर, हृदय रोग, गुर्दे की बीमारी, यकृत और फेफड़ों की बीमारी, और दंत समस्याओं का शीघ्र पता लगाने के लिए रक्त और मूत्र की न्यूनतम संख्या में जाँच अनिवार्य या नियमित रूप से प्रतिवर्ष कराने हेतु कोई नीति बनाने की योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का इस संबंध में तंत्र, परीक्षण प्रक्रियाओं, मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों या स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की उपलब्धता बढ़ाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और

(ङ) क्या सरकार की इस संबंध में भविष्य में कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ड़): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफ़डबल्यू) सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के व्यापक दृष्टिकोण के अंतर्गत, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, निवारक स्वास्थ्य परिचर्या और मोबाइल स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल सक्रिय रूप से कर रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) राष्ट्रीय स्तर की एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य देश भर में लोगों की

ज़रूरतों के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी, समान, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करके निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपशामक, पुनर्वासात्मक और उपचारात्मक परिचर्या प्रदान करना है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से, उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को सुदृढ़ करके व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या (सीपीएचसी) प्रदान की जाती है, जिससे प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाओं, वृद्धजन परिचर्या सेवाओं, संचारी रोगों, गैर-संचारी रोगों, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होती है। एएएम पोर्टल पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक 31.10.2025 तक भारत में कुल 1,80,906 एएएम कार्यशील हो चुके हैं। एएएम में योग, साइकिलिंग और ध्यान जैसे आरोग्य संबंधी कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं। दिनांक 31.10.2025 तक की स्थिति के अनुसार, एएएम में योग सहित 6.37 करोड़ आरोग्य सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

निःशुल्क निदान सेवा पहल के अंतर्गत, भारत सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को समुदाय के निकट सुलभ और किफायती पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल निदान सेवाएं प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जो सभी स्तरों की जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर निःशुल्क उपलब्ध हैं (एसएचसी-एएएम में 14 परीक्षण, पीएचसी-एएएम में 63, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 97, उप जिला अस्पतालों (एसडीएच) में 111 परीक्षण और जिला अस्पतालों (डीएच) में 134 परीक्षण)। जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में उपलब्ध परीक्षणों की सूची निम्न लिंक पर उपलब्ध है: https://nhsrcindia.org/sites/default/files/2021-07/Guidance_document_for_Free_Laboratory_Services.pdf

राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और सीपीएचसी के एक भाग के रूप में भी, देश में सामान्य गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और जाँच हेतु जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, आशा कार्यकर्ता 30 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों के लिए समुदाय आधारित मूल्यांकन जाँच सूची (सीबीएसी) का प्रबंधन करती हैं। सीबीएसी के माध्यम से गैर-संचारी रोगों के लिए जोखिम मूल्यांकन किया जाता है और 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को सामान्य गैर-संचारी रोगों की जाँच के लिए भेजा जाता है। जनसंख्या आधारित जाँच, प्रारंभिक अवस्था में पहचान, अनुवर्ती कार्रवाई और उपचार के अनुपालन के माध्यम से रोगों के बेहतर प्रबंधन में मदद करती है। एनपी-एनसीडी पोर्टल के अनुसार, दिनांक 30.11.2025 तक सभी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर उच्च रक्तचाप की 39.79 करोड़, मधुमेह की 39.60 करोड़, मुख कैंसर की 33.57 करोड़, स्तन कैंसर की 15.72 करोड़ और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की 8.34 करोड़ जांच की जा चुकी हैं।

समुदाय आधारित अंतःक्षेप स्वास्थ्य परिचर्या के निवारक पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्राम स्तर पर मासिक रूप से संचालित होने वाला ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) मंच,

निवारक परिचर्या सेवाओं के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, एनएचएम के तहत, राज्यों को जन स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार के लिए विशेष रूप से दूरदराज, दुर्गम, अल्पसेवित और असेवित क्षेत्रों में रहने वाली आबादी के लिए मोबाइल चिकित्सा इकाइयों (एमएमयू) की तैनाती के लिए सहायता प्रदान की जाती है। एनएचएम के तहत राज्यों को कुल 1,540 एमएमयू का सहयोग दिया जाता है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दुर्गम क्षेत्रों सहित दूरदराज के क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य शिविर जैसी पहल भी लागू की है। वर्तमान में, अप्रैल 2024 से आयुष्मान आरोग्य शिविर, राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य मेला/शिविर की तरह, एएएम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किए जा रहे हैं।

भारत सरकार ने देश भर के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर सेवा प्रदान करने को प्रोत्साहित करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों को प्रोत्साहन और मानदेय के रूप में कई पहल की हैं, जिनमें शामिल हैं:

i. ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सेवा देने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों को दुर्गम क्षेत्र भत्ता देना ताकि वे ऐसे क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में सेवा करना आकर्षक समझें।

ii. राज्यों को विशेषज्ञों को आकर्षित करने के लिए बातचीत द्वारा तय वेतन की पेशकश करने की भी अनुमति है, जिसमें "यू कोट वी पे" जैसी कार्यनीतियों में लचीलापन भी शामिल है।

iii. एनएचएम के अंतर्गत दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अधिमान्य प्रवेश तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवास व्यवस्था में सुधार जैसे गैर-मौद्रिक प्रोत्साहन भी शुरू किए गए हैं।

iv. एनएचएम के तहत व्यापक आपातकालीन प्रसूति एवं नवजात परिचर्या (सीईएमओएनसी) और जीवन रक्षक एनेस्थीसिया कौशल (एलएसएएस) जैसे विशेषज्ञों की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टरों के बहु-कौशल को समर्थन दिया जाता है।

*****